पत्र सूचना शाखा
(मुख्यमंत्री सूचना परिसर)
सूचना एवं जन सम्पर्क विभाग, उ0प्र0

मुख्यमंत्री ने टाइम्स नाउ नव भारत द्वारा आयोजित 'विकसित भारत–समृद्ध उत्तर प्रदेश' कॉन्क्लेव में अपने विचार व्यक्त किए

प्रधानमंत्री जी के नेतृत्व में हम सभी नया भारत देख रहे : मुख्यमंत्री

प्रदेश सरकार ने 'कर्फ्यू कल्चर को जीरो टॉलरेन्स कल्चर' में बदला, उ0प्र0 की तस्वीर तथा प्रत्येक नागरिक की तकदीर बदली

हमने रामराज्य की वास्तविक अवधारणा को धरातल पर उतारने का कार्य किया, जो कहा वह करके दिखाया और आगे जो कहेंगे, वह करके दिखाएँगे

वर्ष 2026–27 का बजट 09 लाख 12 हजार 600 करोड़ रु0 से अधिक का है, जो वर्ष 2016–17 की तुलना में 03 गुना से अधिक

प्रदेश में फाईल कल्चर बन्द, फील्ड कल्चर दिखाई दे रहा, राज्य को 'टेक्नोलॉजी, ट्रस्ट एण्ड ट्रांसफॉर्मेशन से जोड़ा गया

महिला वर्कफोर्स मात्र 13 प्रतिशत से बढ़कर 36 प्रतिशत

उ0प्र0 अपने परम्परागत उद्यमों को पुनर्जीवित कर करोड़ों नौजवानों को रोजगार के अवसर उपलब्ध कराते हुए आत्मनिर्भर भारत की आधारशिला तैयार कर रहा

आगामी 19 फरवरी को आगरा में छत्रपति शिवाजी महाराज के जन्मोत्सव का भव्य कार्यक्रम आयोजित होने जा रहा

'वन्दे मातरम्' समग्र भारत को जोड़ने का गीत, प्रधानमंत्री जी ने राष्ट्रगीत 'वन्दे मातरम्' को राष्ट्रगान से पहले अनिवार्य रूप से गाने के लिए अधिसूचना जारी कराई

उ0प्र0 में डिफेंस सेक्टर में ब्रह्मोस जैसे बड़े निवेश भारत की सामरिक शक्ति को मजबूती प्रदान कर रहे

लखनऊ : 17 फरवरी, 2026

उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ जी ने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी के नेतृत्व में हम सभी नया भारत देख रहे हैं। भारत दुनिया की सबसे तेज गति से उभरने वाली अर्थव्यवस्था है। भारत दुनिया की तीसरी बड़ी अर्थव्यवस्था के रूप में स्थापित हो रहा है। देश और दुनिया ने वर्तमान में उत्तर प्रदेश के परसेप्सन को बदलते हुए देखा है।

मुख्यमंत्री जी आज यहाँ समाचार चैनल टाइम्स नाउ नव भारत द्वारा आयोजित 'विकसित भारत–समृद्ध उत्तर प्रदेश' कॉन्क्लेव में अपने विचार व्यक्त कर रहे थे। उन्होंने कहा कि इस प्रकार के कॉन्क्लेव के माध्यम से उत्तर प्रदेश के आर्थिक विकास से सम्बन्धित बातों को आम जनमानस तक पहुंचाने का अवसर मिलता है। वर्ष 2026–27 का

बजट 09 लाख 12 हजार 600 करोड़ रुपये से अधिक का है, जो वर्ष 2016–17 की तुलना में 03 गुना से अधिक है। यह बजट प्रदेश के विकास के लिए बहुत महत्वपूर्ण है। उत्तर प्रदेश अब देश का बीमारू राज्य नहीं, बल्कि अनलिमिटेड पोटेंशियल का राज्य है। हमने राज्य के पोटेंशियल को धरातल पर उतारकर प्रत्येक नागरिक के सपने को साकार करने का कार्य किया है।

मुख्यमंत्री जी ने कहा कि भारत का संविधान लागू होने के समय देश की अर्थव्यवस्था में उत्तर प्रदेश का योगदान 14 प्रतिशत था। इसके बाद के 70 वर्षों में देश की अर्थव्यवस्था में प्रदेश का योगदान लगातार घटता गया, जो वर्ष 2017 तक मात्र 08 प्रतिशत रह गया। जबकि देश की 16 से 17 प्रतिशत आबादी उत्तर प्रदेश में निवास करती है। नीतिगत उदासीनता, भ्रष्टाचार, जातिवाद और तुष्टीकरण के कारण उत्तर प्रदेश लगातार पिछड़ता गया।

मुख्यमंत्री जी ने कहा कि एक समय ऐसा आया, जब उत्तर प्रदेश बीमारू राज्य की श्रेणी में आ गया। प्रदेश के युवाओं के सामने पहचान का संकट खड़ा हो गया। वह निराश हो गये थे। प्रदेश में महिलाएं एवं व्यापारी सुरक्षित नहीं थे। किसान आत्महत्या करने को मजबूर हो गये। विगत 09 वर्षों में प्रधानमंत्री जी के विजनरी नेतृत्व एवं मार्गदर्शन में उत्तर प्रदेश ने एक लम्बी दूरी तय की है। यह केवल आंकड़े नहीं, बल्कि वास्तविकता है। डबल इंजन सरकार समाज के अन्तिम पायदान पर बैठे हुए व्यक्ति तक योजनाओं का लाभ पहुंचाने का कार्य कर रही है।

मुख्यमंत्री जी ने कहा कि उत्तर प्रदेश में सबसे उर्वरा भूमि तथा दुनिया का सबसे अच्छा जल संसाधन है। पहले यहां के किसान उत्पादक थे। पिछली सरकारों की नीतियों से वह उत्पादक से कर्जदार बन गये और आत्महत्या के लिए मजबूर हो गये। प्रदेश में एम0एस0एम0ई0 यूनिट का मजबूत आधार था। यह सैकड़ों वर्षों की परम्परा से चले आ रहे थे। हमारे कारीगर व हस्तशिल्पी ही उद्यमी थे। उनके द्वारा बनाये गये उत्पादों को देश व दुनिया में पहुंचाने का कार्य हमारे व्यापारी करते थे। वर्ष 2017 के पहले यह बन्दी के कगार पहुंच गए थे। व्यापारी स्वयं सुरक्षित नहीं थे तथा उनकी पूंजी भी सुरक्षित नहीं थी, इससे वह पलायन को मजबूर थे।

मुख्यमंत्री जी ने कहा कि वर्तमान सरकार ने 'कर्फ्यू कल्चर को जीरो टॉलरेन्स कल्चर' में बदलने का कार्य किया है। इस बदलाव का परिणाम भी दिखाई दे रहा है। माफिया और दंगाइयों को उनके सही ठिकाने पर पहुंचाया गया है, जिससे उत्तर प्रदेश की तस्वीर तथा प्रत्येक नागरिक की तकदीर बदली है। विगत लगभग 09 वर्षों में प्रदेश में कोई दंगा नहीं हुआ है। अब यहां कर्फ्यू नहीं लगता। जिस प्रदेश में पहले कोई निवेश करने को तैयार नहीं था, उसी प्रदेश में आज 50 लाख करोड़ रुपये के निवेश प्रस्ताव प्राप्त हुए हैं। इनमें 15 लाख करोड़ रुपये के प्रस्तावों की ग्राउण्ड ब्रेकिंग की जा चुकी

है। 05 लाख करोड़ रुपये के निवेश प्रस्ताव ग्राउण्ड ब्रेकिंग के लिए तैयार हैं तथा 06 लाख करोड़ रुपये के निवेश प्रस्ताव पाइपलाइन में है। सरकार की स्पष्ट नीति, साफ नीयत तथा सभी सेक्टरों के लिए पॉलिसी के माध्यम से हमने प्रदेश को पॉलिसी पैरालिसिस से उबारा है। प्रदेश में 34 सेक्टोरियल पॉलिसीज वर्तमान में मौजूद हैं, जिसमें दुनिया को कोई भी निवेशक आकर निवेश कर सकता है।

मुख्यमंत्री जी ने कहा कि प्रदेश में फाईल कल्चर बन्द हो गया है और फील्ड कल्चर दिखाई दे रहा है। इसका परिणाम है कि प्रदेश के युवा पहचान के लिए मोहताज नहीं हैं। किसान अपनी उपज की अच्छी कीमत प्राप्त कर रहे हैं तथा पूरी तरह खुशहाल हैं। यहां के श्रमिक अपने ही गांव–शहर में रोजगार प्राप्त कर रहे हैं। वर्ष 2017 से पूर्व प्रदेश में महिला वर्कफोर्स मात्र 13 प्रतिशत था, जो विगत 09 वर्षों में यह बढ़कर 36 प्रतिशत हो गया है। यह इसलिए हुआ है, क्योंकि बेटियों को प्रदेश में सुरक्षित माहौल मिला है।

मुख्यमंत्री जी ने कहा कि उत्तर प्रदेश में प्रत्येक स्तर पर परिवर्तन हुए हैं। यह नये भारत के नये उत्तर प्रदेश के रूप में अपनी पहचान बना रहा है। उत्तर प्रदेश अपने परम्परागत उद्यमों को पुनर्जीवित कर करोड़ों नौजवानों को रोजगार के अवसर उपलब्ध कराते हुए आत्मनिर्भर भारत की आधारशिला तैयार कर रहा है। उत्तर प्रदेश आज इमर्जिंग टेक्नोलॉजी में भी देश के अग्रणी राज्यों में शामिल है। डबल इंजन की प्रदेश सरकार ने राज्य को 'टेक्नोलॉजी, ट्रस्ट एण्ड ट्रांसफॉर्मेशन से जोड़ा है। यह आज प्रदेश में प्रत्येक स्तर पर देखने को मिलता है। नौजवान अपना उज्ज्वल भविष्य, श्रमिक रोजगार, अन्नदाता किसान खुशहाली तथा बेटी और बहन अपनी सुरक्षा चाहती हैं। व्यापारी स्वच्छ और ट्रांसपैरेण्ट माहौल में अपना व्यापार आगे बढ़ाना चाहता है। यह कार्य केवल डबल इंजन सरकार ही कर सकती है।

मुख्यमंत्री जी ने कहा कि आज उत्तर प्रदेश को उसकी पहचान मिल रही है। यहाँ का नौजवान स्वावलम्बन के साथ अपने ही जनपद में रोजगार प्राप्त कर रहा है। प्रदेश की महिलाएँ स्वयं को सुरक्षित महसूस कर रही हैं। उत्तर प्रदेश आर्थिक उन्नति के नए सोपान चढ़ रहा है। यही रामराज्य की संकल्पना है, जहाँ प्रत्येक व्यक्ति को बिना भेदभाव उसका हक प्राप्त हो रहा है। हमने रामराज्य की वास्तविक अवधारणा को धरातल पर उतारने का कार्य किया है। हमने जो कहा, वह करके दिखाया और आगे भी जो कहेंगे, वह करके दिखाएँगे।

मुख्यमंत्री जी ने कहा कि उत्तर प्रदेश में इन्फ्रास्ट्रक्चर के विकास के साथ–साथ देश के सबसे बड़े और सबसे ज्यादा एक्सप्रेस–वे के नेटवर्क को स्थापित किया गया है। उत्तर प्रदेश में डिफेंस सेक्टर में ब्रह्मोस जैसे बड़े निवेश भारत की सामरिक शक्ति को

मजबूती प्रदान कर रहे हैं। अगर किसी ने भारत की आन–बान और शान के साथ गुस्ताखी करने का प्रयास किया, तो हम दुश्मन को उसी के ठिकाने पर जाकर मारेंगे।

मुख्यमंत्री जी ने कहा कि छत्रपति शिवाजी महाराज एक राष्ट्रनायक हैं, जिन पर प्रत्येक भारतवासी को गौरव की अनुभूति होती है। सरकार ने आगरा के मुगल म्यूजियम का नाम बदलकर छत्रपति शिवाजी महाराज के नाम पर रखा है। आगामी 19 फरवरी को आगरा में उनके जन्मोत्सव का भव्य कार्यक्रम आयोजित होने जा रहा है। हमारी सरकार ने महाराजा सुहेलदेव के नाम पर बहराइच में भव्य स्मारक तथा आजमगढ़ में एक विश्वविद्यालय बनाने का कार्य किया है। पहले जनपद कन्नौज के सरकारी मेडिकल कॉलेज का नाम बदल दिया गया था। हमारी सरकार ने पुनः कन्नौज के मेडिकल कॉलेज का नामकरण बाबा साहब डॉ0 भीमराव आम्बेडकर के नाम पर किया।

मुख्यमंत्री जी ने कहा कि 'वन्दे मातरम्' हमारा राष्ट्रगीत है। यह भारत की आजादी का मन्त्र रहा है, जिसको गाते–गाते भारत के क्रान्तिकारी फांसी के फंदे पर झूलने में कोई संकोच नहीं करते थे। इस गीत ने भारत को स्वाधीन कराने में महत्वपूर्ण योगदान दिया। 'वन्दे मातरम्' समग्र भारत को जोड़ने का गीत है, जिसे 24 जनवरी, 1950 को भारत की संविधान सभा ने राष्ट्रगीत के रूप में मान्यता दी थी। प्रधानमंत्री जी ने राष्ट्रगीत 'वन्दे मातरम्' को राष्ट्रगान से पहले अनिवार्य रूप से गाने के लिए अधिसूचना जारी कराई है। राष्ट्रगीत तथा राष्ट्रगान सहित राष्ट्रीय प्रतीकों का अपमान, संविधान निर्माता बाबा साहब भीमराव आम्बेडकर का अपमान है। यह भारत के उन महान क्रान्तिकारियों का भी अपमान है, जिन्होंने 'वन्दे मातरम्' गाते–गाते फांसी के फंदे को चूम लिया। यह राष्ट्रद्रोह है और वर्तमान भारत इसे स्वीकार नहीं कर सकता।

मुख्यमंत्री जी ने कहा कि वर्ष 2017 में हम अयोध्या में दीपोत्सव कार्यक्रम के साथ ही वृन्दावन और ब्रज क्षेत्र के विकास की कार्य योजना को लेकर आगे बढ़े। पूर्व में अयोध्या में 84 कोसी परिक्रमा रोक दी गयी थी। जेल और थानों में आयोजित होने वाले जन्माष्टमी पर्व के आयोजन पर भी रोक लगा दी गयी थी। कांवड़ यात्रा पर भी प्रतिबन्ध लगाए गए थे, जिसमें समाज के अन्तिम पायदान पर खड़ा व्यक्ति भी शामिल होता है। हमारी सरकार ने कांवड़ यात्रा के सुरक्षित आयोजन के दृष्टिगत सी0सी0टी0वी0 कैमरे लगाकर निगरानी करायी। हेलीकॉप्टर से कांवड़ यात्रियों पर पुष्प वर्षा करायी गयी। चार करोड़ की संख्या में कांवड़ यात्री कांवड़ यात्रा पर निकले, कहीं कोई अराजकता और अव्यवस्था नहीं हुई। वर्तमान में प्रदेश में भारत निर्वाचन आयोग के निर्देशन में एस0आई0आर0 की प्रक्रिया चल रही है, जिसके माध्यम से मतदाता सूची के शुद्धिकरण की कारवाई को आगे बढ़ाया है। विसंगतियों को दूर करने की कार्यवाही चल रही है।

————————